A–0127

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

MAHL 602

एम. ए. हिन्दी (MAHL)

नाटक एवं कथेतर साहित्य (भाग एक)

Examination, June 2025

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :- यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट :- खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. हिंदी नाटक का स्वरूप स्पष्ट करते हुए हिन्दी के किसी एक नाटककार का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

2. नाटक के तत्वों के आधार पर 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की समीक्षा कीजिए।

3. एकांकी के तत्वों के आधार पर 'पृथ्वीराज की आँखें' एकांकी की समीक्षा कीजिए।

4. हिंदी निबंध के विकास में शुक्ल युग के निबंधकारों के महत्व पर प्रकाश डालिए।

5. आत्मकथा विधा का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसकी तात्विक विवेचना कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट :- खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. अंधेर नगरी' नाटक के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

2. आधुनिकता बोध की दृष्टि से 'आधे अधूरे' नाटक की संक्षिप्त समीक्षा कीजिए।

3. रामकुमार वर्मा की रचनाओं का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

4. जयशंकर प्रसाद के नाट्य साहित्य की संक्षिप्त समीक्षा कीजिए।

5. आलोचना विद्या के विकास में डॉ. नगेंद्र के योगदान का वर्णन कीजिए।

6. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी की निबंध शैली की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

7. संस्मरण व रेखाचित्र में अंतर स्पष्ट कीजिए।

8. डायरी विधा पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

****